अध्याय 1

भारत का आर्थिक विकास

''स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था''

- अंग्रेजी औपनिवेशिक प्रशासन का मुख्य उद्देश्य भारत को ब्रिटेन में जल्दी से विकसित हो रही आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आधार के रूप में प्रयोग करना था।

- स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति :–

क) आर्थिक विकास की निम्न दर :–

- औपनिवेशिक सरकार ने कभी भी भारत की राष्ट्रीय तथा प्रति व्यक्ति आय के अनुमान के लिए कोई प्रयास नहीं किए।
- डॉ. वी.के.आर.वी.राव के अनुसार सकल देशीय उत्पद में वार्षिक वृद्धि दर केवल 2% तथा प्रति व्यक्ति आय में वार्षिक वृद्धि केवल 0.5% थी।

ख) कृषि का पिछड़ापन :– जिसके निम्न कारण थे –

- जमींदारी, महलवाड़ी तथा रैयतवाड़ी प्रथा
- व्यवसायीकरण पर दबाव – नील आदि का उत्पादन
- देश का विभाजन

ग) अविकसित औद्योगिक क्षेत्र :–

- वि–औद्योगिकीकरण – भारतीय हस्तकला उद्योग का पतन
- पूंजीगत वस्तु उद्योग का अभाव
- सार्वजनिक क्षेत्र की सीमित क्रियाशीलता
- भेदभावपूर्ण टैरिफ नीति

घ) विदेशी व्यापार की विशेषताऐं :–

- कच्चे माल का शुद्ध नियतिक तथा तैयार माल का आयातक
- विदेशी व्यापार पर ब्रिटेन का एकाधिकारी नियंत्रण
- भारतीय सम्पत्ति का प्रवाह

https://www.evidyarthi.in

ड़) प्रतिकूल जनांकिकीय दशाऐं :–

- ऊँची मृत्युदर – 45 प्रति हजार
- उच्च शिशु जन्म दर – 218 प्रति हजार
- सामुहिक निरक्षरता – 84 निरक्षरता
- निम्न जीवन प्रत्याशा – 32 वर्ष
- जीवन का निम्न स्तर – आय का 80–90% आधारभूत आवश्यकता पर व्यय
- जन स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव

च) अविकसित आधारभूत ढ़ाँचा :– अच्छी सड़कें, विद्युत उत्पादन, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा संचार सुविधाओं का अभाव। यद्यापि अंग्रेज प्रशासकों द्वारा आधारभूत ढ़ाँचे के विकास के लिए प्रयास किए गए जैसे – सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, जल यातायात और डाक व तार विभाग। लेकिन इनका उद्देश्य आम जनता को सुविधाऐं देना नहीं था बल्कि साम्राज्यवादी प्रशासन के हित में था।

छ) प्राथमिक (कृषि) क्षेत्र पर अधिक निभरता :–

- कार्यबल का अधिकतम भाग लगभग 72% कृषि में लगा था।
- 10% विनिर्माण क्षेत्र में लगा था।
- 18% कार्यबल सेवा क्षेत्र मे लगा था।

- अंग्रेजी साम्राज्यवाद के भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ – विशेषकर रेलवे में सकारात्मक प्रभाव :–

क) यातायात की सुविधाओं में वृद्धि – विशेषकर रेलवे में

ख) बंदरगाहों का विकास

ग) डाक व तार विभाग की सुविधाऐं

घ) देश का आर्थिक व राजनीतिक एकीकरण

ड़) बैंकिंग व मौद्रिक व्यवस्था का विकास

- अंग्रेजी साम्राज्यवाद के भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव :–

क) भारतीय हस्तकला उद्योग का पतन

https://www.evidyarthi.in

ख) कच्चे माल का नियतिक व तैयार माल का आयातक

ग) विदेशी व्यापार पर ब्रिटेन का एकाधिकारी नियंत्रण

घ) व्यवसायीकरण पर दबाव

एक अंक वाले प्रश्न

1. शिशु मृत्यु दर से क्या अभिप्राय है?
2. कृषि के व्यवसायीकरण का अर्थ लिखो?
3. औपनिवेशिक काल में शिशु मृत्यु दर क्या थी?
4. औपनिवेशिक काल में जीवन प्रत्याशा कितने वर्ष थी?
5. निर्यात आधिक्य का क्या अर्थ है?
6. प्रथम सरकारी जनगणना किस वर्ष में हुई थी।?
7. देश के विभाजन का किस उद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा?
8. औपनिवेशिक काल में प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाने वाले एक अर्थशास्त्री का नाम लिखो।
9. स्वतंत्रता के समय भारत की साक्षरता दर क्या थी?
10. स्वतंत्रता के समय द्वितीयक क्षेत्र में कितने प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या संलग्न थी?

तीन/चार अंक वाले प्रश्न

1. स्वतंत्रता के समय भारतीय कृषि की 4 विशेषताऐं लिखो?
2. औपनिवेशिक काल में भारतीय सम्पत्ति के निष्कासन से आप क्या समझते हैं?
3. स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की व्यवसायिक संरचना की रूप रेखा प्रस्तुत करो?
4. स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था को तीन विशेषताऐं बताइए?
5. स्वतंत्रता के समय भारतीय उद्योगों के विकास की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए?
6. ब्रिटिश सरकार द्वारा रेल यातायात आरम्भ करने के सकारात्मक प्रभावों की व्यवस्थाा करो?

छः अंकों वाले प्रश्न

1. औपनिवेशिक काल में कृषि की गतिहीनता के मुख्य कारण क्या थे?

https://www.evidyarthi.in

2. औपनिवेशिक काल में भारत की जनांकिकीय स्थिति का एक संख्यात्मक चित्रण प्रस्तुत किजिए?

3. ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन द्वारा अपनाई गई औद्योगिक नीतियों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

4. क्या अंग्रेजों ने भारत में कुछ सकारात्मक योगदान भी दिया था? विवेचना कीजिए।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. शिशु मृत्यु दर से अभिप्राय है कि एक वर्ष से कम उम्र के जिंदा पैदा हुए एक हजार बच्चों में मृत्यु की संख्या।
2. कृषि के व्यवसायीकरण का अर्थ है कि एक उपयोग के स्थान पर विक्रय के लिए फसलों का उत्पादन।
3. 218 प्रति हजार।
4. जीवन प्रत्याशा 32 वर्ष थी।
5. किसी देश का निर्यात आयात से अधिक होना।
6. 1881 में।
7. जूट तथा कपड़ा उद्योग पर।
8. डा. वी.के.आर.वी. राव, दादा भाई नौरोजी
9. 16%
10. 10%

पुनरावृत्ति प्रश्न

(स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारतीय अर्थव्यवस्था)

1. ब्रिटिश राज के दौरान भारत में शिशु मृत्यु दर क्या थी? 1

संकेतः 218 प्रति हजार जीवित जन्मों में।

2. औपनिवेशिक शासक की अवधि में भारतीय उद्योग में भारतीय उद्योग किन दो कमियों से पीड़ित थे? 3/4 अंक

संकेतः 1) एक तरफा आधुनिक औद्योगिक ढांचा

2) पूंजी प्रधान उद्योगों की कमी

https://www.evidyarthi.in

3) सार्वजनिक क्षेत्र की सीमित सहभागिता

4) वि–औद्योगिकरण

3. औपनिवेशिक शासन की अवधि में भारतीय कृषि के गतिहीनता के प्रमुख कारण क्या थे? 6

संकेतः 1) भू राजस्व प्रणाली

2) कृषि का व्यवसायीकरण

3) निम्न उत्पादकता

4) देश विभाजन के दुष्प्रभाव

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in